International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 10 Issue 7 Ser. I || July 2021 || PP 80-84

हिंसा प्रभावित क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु की गई वैकल्पिक व्यवस्था का उनकी शैक्षिक उपलब्धि व अभिरूचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 अनामिका सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर , समाजशास्त्र
एम0 एल0 के0 पी0 जी0 कॉलेज , बलरामपुर

सारांश

शिक्षा के बिना विकास की कल्पना संभव नहीं है। जब बच्चों की शिक्षा किन्हीं कारणों से बाधित होती है तो सम्पूर्ण समाज के लिए चिंता का कारण बन जाती है। ऐसा ही कुछ छत्तीसगढ़ के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में हो रहा है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पूरे गाँव को सुरक्षा की दृष्टि से कैम्पों में रखा जा रहा है। इन परिस्थितियों में बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई है। शासन द्वारा ऐसे बच्चों की शिक्षा की निरंतरता के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत पोटा केबिन स्कूल, आवासीय ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की है। वैकल्पिक व्यवस्था के प्रभाव से बच्चों को प्राप्त होने वाली शिक्षा कितनी प्रभावी है, इसका बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या पड़ता है यह जानने के लिए यह शोध कार्य किया गया है। शोध निष्कर्षों के अनुसार विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने हेतु और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

प्रस्तावना (Introduction) -

हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का छात्रों और उनकी शिक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। छात्रों पर एक समुदाय में हिंसा के कुछ संभावित प्रभाव यहां दिए गए हैं:

- ट्रामा: हिंसा के संपर्क में आने से छात्रों के लिए महत्वपूर्ण आघात और मनोवैज्ञानिक संकट पैदा हो सकता है। यह चिंता, अवसाद, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD), और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के रूप में प्रकट हो सकता है, ये सभी एक छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।
- स्कूली शिक्षा में व्यवधान: एक समुदाय में हिंसा विभिन्न तरीकों से स्कूली शिक्षा को बाधित कर सकती है। सुरक्षा चिंताओं के कारण स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए मजबूर किया जा सकता है, या छात्रों को सुरक्षा चिंताओं या आघात संबंधी लक्षणों के कारण स्कूल छोड़ना पड़ सकता है। यह एक छात्र की शिक्षा और शैक्षणिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा कर सकता है।
- निम्न शैक्षणिक उपलब्धि: हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि सुरक्षित समुदायों में उनके साथियों की तुलना में कम होने की संभावना अधिक होती है। यह स्कूली शिक्षा में व्यवधान, आघात से संबंधित लक्षणों और शैक्षिक संसाधनों तक कम पहुंच जैसे कारकों के कारण हो सकता है।
- स्कूल छोड़ने का बढ़ा जोखिम: जो छात्र हिंसा या आघात का अनुभव करते हैं, उनके स्कूल छोड़ने की संभावना अधिक हो सकती है, खासकर अगर उन्हें लगता है कि स्कूल के अधिकारियों द्वारा उनकी सुरक्षा और भलाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।
- कम सामाजिक समर्थन: एक समुदाय में हिंसा छात्रों के लिए सामाजिक समर्थन नेटवर्क को कम कर सकती है। यह बढ़ी हुई गतिशीलता (जैसे, समुदाय से दूर जाने वाले परिवार), समुदाय के सदस्यों में विश्वास में कमी, या सुरक्षा चिंताओं के कारण अलगाव में वृद्धि जैसे कारकों के कारण हो सकता है।

यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि ये प्रभाव सार्वभौमिक नहीं हैं और अलग-अलग छात्र अपने समुदाय में हिंसा के लिए अलग-अलग प्रतिक्रिया दे सकते हैं। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि हिंसा का छात्रों और उनकी शिक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, और इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें शैक्षिक और सामाजिक हस्तक्षेप दोनों शामिल हों।

हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए उनकी शैक्षणिक उपलब्धि और रुचि पर किए गए वैकल्पिक व्यवस्थाओं के प्रभाव किए गए विशिष्ट व्यवस्थाओं और शामिल छात्रों की व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। हालांकि, यहां कुछ संभावित प्रभावों पर विचार किया गया है:

- बेहतर सुरक्षा: जो छात्र अपने सीखने के माहौल में सुरक्षित और अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, उनके अध्ययन में अधिक ध्यान केंद्रित करने और व्यस्त रहने की संभावना है। वैकल्पिक व्यवस्था, जैसे कि ऑनलाइन शिक्षण या सुरक्षित स्कूल में स्थानांतरित करना, हिंसा के जोखिम को कम करने और सीखने के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकता है।
- सीखने में व्यवधान: वैकल्पिक व्यवस्था की प्रकृति के आधार पर, छात्रों को उनके सीखने में व्यवधान का अनुभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन सीखने के लिए प्रौद्योगिकी और इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच की आवश्यकता हो सकती है, जो सभी छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं हो सकती है। इसी तरह, एक नए स्कूल में स्थानांतरित होने में समायोजन की अवधि शामिल हो सकती है और छात्र के सामाजिक संबंधों और समर्थन नेटवर्क को बाधित कर सकता है।
- कम प्रेरणा: जिन छात्रों को हिंसा के कारण अपना स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, वे अपनी पढ़ाई से निराश और विमुख महसूस कर सकते हैं। वे महसूस कर सकते हैं कि व्यक्तिगत सुरक्षा और पारिवारिक स्थिरता जैसी तात्कालिक चिंताओं के सामने उनकी शिक्षा प्राथमिकता नहीं है।
- बेहतर शैक्षणिक उपलब्धि: यदि वैकल्पिक व्यवस्था अच्छी तरह से डिजाइन और समर्थित हैं, तो वे बेहतर शैक्षणिक उपलब्धि की ओर ले जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन शिक्षण छात्रों को शैक्षिक संसाधनों और अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँचने की अनुमति दे सकता है। एक सुरक्षित स्कूल में स्थानांतरित होने से छात्रों को अधिक अनुभवी शिक्षकों और बेहतर संसाधन वाली सुविधाएं मिल सकती हैं।
- रुचि में वृद्धि: वैकल्पिक व्यवस्था छात्रों को नए और रोमांचक सीखने के अवसर प्रदान कर सकती है, जिस तक उनकी पहुंच पहले नहीं हो सकती थी। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन शिक्षण छात्रों को दुनिया भर के साथियों के साथ जुड़ने और सीखने की सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ जुड़ने की अनुमति दे सकता है। एक नए स्कूल में स्थानांतरित होने से छात्रों को विभिन्न शिक्षण शैलियों और विषयों के बारे में पता चल सकता है, जिससे नई रुचियां और जुनून पैदा हो सकते हैं।

कुल मिलाकर, हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए उनकी शैक्षणिक उपलब्धि और रुचि पर किए गए वैकल्पिक व्यवस्था के प्रभाव जटिल हैं और कई कारकों पर निर्भर करते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट है कि छात्रों को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करने के लिए सुरक्षित और सहायक शिक्षण वातावरण प्रदान करना महत्वपूर्ण है।

शिक्षा के बिना विकास की कल्पना संभव नहीं है। यदि बच्चों की शिक्षा किन्हीं कारणों से बाधित होती है तो सम्पूर्ण समाज के लिए चिंता का कारण बन जाती है। ऐसा ही कुछ मुज़फ्फरनगर के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में हुआ है। शासन स्तर से ऐसे बच्चों की शिक्षा की निरंतरता के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत हिंसा प्रभावित बच्चों की शिक्षा जारी है। इन वैकल्पिक व्यवस्थाओं के प्रयास कितने प्रभावी हैं यह जानना आवश्यक है ताकि इनमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सके।

हिंसा प्रभावित क्षेत्र:

नेपाल में कुछ हिंसा प्रभावित क्षेत्र हैं, खासकर दक्षिणी तराई क्षेत्र में। तराई क्षेत्र, जो भारत की सीमा से लगा हुआ है, ने जातीय और राजनीतिक तनावों के इतिहास का अनुभव किया है, जिसके कारण कभी-कभार हिंसा भड़क उठी है। अतीत में, तराई क्षेत्र में विभिन्न जातीय और राजनीतिक समूहों के बीच विरोध, हड़ताल और हिंसक झड़पों की घटनाएं हुई हैं।इस अशांति का क्षेत्र में शिक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। हड़तालों और अन्य व्यवधानों के कारण स्कूलों को विस्तारित अवधि के लिए बंद करने के लिए मजबूर किया गया है, और छात्रों के पास शैक्षिक संसाधनों तक सीमित पहुंच है। इस क्षेत्र में हिंसा और अस्थिरता के कारण स्कूल छोड़ने की दर में भी वृद्धि हुई है, विशेष रूप से सीमांत समुदायों के बीच।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, सरकार और अन्य संगठनों ने तराई क्षेत्र में शिक्षा का समर्थन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों को लागू किया है। इन प्रयासों में वंचित छात्रों को छात्रवृत्ति और अन्य प्रकार की वित्तीय

सहायता प्रदान करना, नए स्कूलों का निर्माण करना और मौजूदा स्कूलों में सुधार करना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और अन्य संसाधन प्रदान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में शांति निर्माण और संघर्ष समाधान को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए हैं, जो शिक्षा के लिए अधिक स्थिर और सहायक वातावरण बनाने में मदद कर सकता है।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the study) -

1. हिंसा प्रभावित क्षेत्र में वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर का अध्ययन करना।

2. हिंसा प्रभावित क्षेत्र में वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अभिरुचि का अध्ययन करना।

3. हिंसा प्रभावित क्षेत्र में वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं अभिरुचि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses)

परिकल्पना क्रमांक-1 – वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जायेगा। परिकल्पना क्रमांक 2 – वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

शोध प्रक्रिया (Research Process)- सर्वेक्षण विधि -

- **न्यादर्श (Sample)-**

❖ हिंसा प्रभावित क्षेत्र के विकास खंड में वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शाला की कक्षा 7वीं के 12 विद्यार्थी एवं आवासीय शाला के कक्षा 7वीं के 38 विद्यार्थियों का सौद्देश्य चयन किया गया।

❖ वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत कक्षा 7वीं के 50 विद्यार्थियों तथा गैर वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत 50 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण (Tools) -

अध्ययन के लिए निम्नलिखित स्वनिर्मित उपकरणों का उपयोग किया गया है।

(अ) शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण - स्वनिर्मित

(ब) शैक्षिक अभिरूचि परीक्षण - स्वनिर्मित

(स) वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी हेतु शिक्षक प्रश्नावली – स्वनिर्मित

सांख्यिकीय विश्लेशण (Statistical Operations) –

वैकल्पिक व्यवस्था एवं गैर वैकल्पिक व्यवस्थाओं के विद्यार्थियों के प्राप्तांक का अलग-अलग मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि, स्वतंत्रता के अंश, सहसंबंध गुणांक ज्ञात किये गये हैं।

परिकल्पना क्रमांक – 01: वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक – 01: वैकल्पिक व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि

परीक्षण	संख्या विद्यार्थी N	मध्यमान M	मानक विचलन o	मानक त्रुटि od	d.f.	क्रांतिक अनुपात C.R.	सार्थकता
वैकल्पिक व्यवस्था की शैक्षिक उपलब्धि	50	11.18	7.20	1.835	98	3.7	सार्थक अंतर है।
गैर वैकल्पिक व्यवस्था की शैक्षिक उपलब्धि	50	38.80	6.6				

व्याख्या – वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा गैर वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में क्रांतिक अनुपात का मान 3.70 है जो 98 df पर 1 प्रतिशत विश्वास स्तर के निर्धारित मान 2.58 से अधिक है अर्थात् वैकल्पिक व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना-01 की पुष्टि होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 02: वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक – 02: वैकल्पिक व्यवस्था एवं गैर वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि

परीक्षण	संख्या विद्यार्थी N	मध्यमान M	मानक विचलन o	मानक त्रुटि od	d.f.	क्रांतिक अनुपात C.R.	सार्थकता
वैकल्पिक व्यवस्था की शैक्षिक उपलब्धि	50	49.4	10.22	1.793	98	4.907	सार्थक अंतर पाया गया। P<.01
गैर वैकल्पिक व्यवस्था की शैक्षिक उपलब्धि	50	40.6	7.52				

व्याख्या - वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि तथा गैर वैकल्पिक व्यवस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि में क्रांतिक अनुपात का मान 4.90 है जो 98 df तथा 1 प्रतिशत विश्वास स्तर के निर्धारित मान 2.58 से अधिक है अर्थात् वैकल्पिक व्यवस्था तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना – 02 की पुष्टि होती है।

निष्कर्ष (Conclusions) -

1. वैकल्पिक व्यवस्था एवं गैर वैकल्पिक व्यवस्था का प्रभाव अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पाया गया है।

2. वैकल्पिक तथा गैर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था का प्रभाव बच्चों की शैक्षिक अभिरुचि पर पाया गया।

3. वैकल्पिक व्यवस्था एवं गैर वैकल्पिक व्यवस्था दोनों में शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी। अतएव विद्यार्थियों के लिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार की नितांत आवश्यकता है जिससे शिक्षा में समुचित व्यवस्था की दिशा में विकास हो सके।

सुझाव (Suggestions)

1. शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए शिक्षकों को समूह शिक्षण एवं स्थानीय स्रोतों का उपयोग करना चाहिए।

2. विद्यार्थियों में ज्ञान व समझ विकसित करने हेतु विपरीत परिस्थिति में भी शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं/ व्यवस्थाओं का समुचित उपयोग करना चाहिए।

3. संज्ञानात्मक क्षेत्रों के साथ-साथ, खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों व नैतिक मूल्यों की शिक्षा तथा व्यक्तित्व विकास हेतु प्रशासन द्वारा समय-समय पर शालाओं को निर्देशित किया जाए तथा ख्याति प्राप्त शिक्षकों, शिक्षाविदों, समाज सेवियों से विद्यार्थियों को बातचीत के अवसर दिए जाएँ।

4. सहायक शिक्षण सामग्री के प्रयोग द्वारा शिक्षण कार्य करने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया जाए।

5. शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि करने वाले शिक्षकों को विशेष सम्मान व पुरस्कार दिया जाए।

संदर्भ ग्रंथ (References) -

[1]. Kibris, Arzu (2015). "The Conflict Trap Revisited: Civil Conflict and Educational Achievement." Journal of Conflict Resolution, 59, 645–670.

[2]. Srour, Roney W. (2005). "Children Living under a Multi Traumatic Environment." Israel Journal of Psychiatry, 42, 88–89.

[3]. Roeser, Robert, Jacquelynne S. Eccles, and Karen R. Strobel (1998). "Linking the Study of Schooling and Mental Health: Selected Issues and Empirical Illustrations at the Level of the Individual." Educational Psychologist, 33, 153–176.

[4]. Koenker, Roger and Kevin F. Hallock (2001). "Quantile Regression: An Introduction." Journal of Economic Perspectives, 15(4), 143–156.

[5]. Gershenson, Seth and Erdal Tekin (2018). "The Effect of Community Traumatic Events on Student Achievement: Evidence from the Beltway Sniper Attacks." Education Finance and Policy, 13, 513–544.

[6]. McGill, Tia M., Shannon R. Self-Brown, Betty S. Lai, Melissa Cowart-Osborne, Ashwini Tiwari, Monique LeBlanc, andMary LouKelley (2014). "Effects of Exposure toCommunityViolence and Family Violence on School Functioning Problems among Urban Youth: The Potential Mediating Role of Posttraumatic Stress Symptoms." Frontiers in Public Health, 2, 1–8.

[7]. Giacaman, Rita, Anita Abdullah, Rula Abu Safieh, and Luna Shamieh (2002). Schooling at Gunpoint: Palestinian Children's Learning Environment in War like Conditions. The Ramallah/al-Bireh/Beitunia Urban Center.

[8]. Do, Quy-Toan and Lakshmi Iyer (2012). "Mental Health in the Aftermath of Conflict." In Oxford Handbook of the Economics of Peace and Conflict, edited by M. R. Garfinkel and S. Skaperdas. Oxford University Press.

[9]. Glewwe, Paul and Michael Kremer (2006). "Schools, Teachers, and Education Outcomes in Developing Countries." In Handbook of the Economics of Education,Vol. 2, editedbyE.Hanushek and F. Welch. Elsevier, Amsterdam, pp. 945–1017.

[10]. Grogger, Jeffrey (1997). "LocalViolence and EducationalAttainment." Journal of Human Resources, 32, 659–682.

[11]. UNDP (2015). Development for Empowerment. The 2014 Palestine Human Development Report. UNDP, Gen`eve.

[12]. UNESCO (2007). Global Education Digest. Institute for Statistics. Data Centre. UNESCO, Paris.

[13]. UNESCO (2011a). The Hidden Crisis: Armed Conflict and Education. EFA Global Monitoring Report. UNESCO, Paris.

[14]. UNESCO (2011b) World Data on Education: Palestine. UNESCO, Paris.

[15]. UNICEF (2010). The Situation of Palestinian Children in the Occupied Palestinian Territory, Jordan, Syria and Lebanon. UNICEF, Paris.

[16]. UN-OCHA-OPT (various issues). The Monthly Humanitarian Monitor. East Jerusalem.

[17]. UNRWA (2003). Emergency Appeal June–December 2003. Department of External Relations, UNRWA Headquarters, Gaza, pp. 3–6.

[18]. Valente, Christine (2013). "Education and Civil Conflict in Nepal." World Bank Economic Review, 28, 254–383.